[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7625 **L**

Unique Paper Code : 2313100030

Name of the Paper : Sources and the Practice of History-II

Name of the Course : **B.A. (Hons.) History (NEP-UGCF-2022)**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any **four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Analyse the concept of state in the *Arthashastra*. How significant are the instructions regarding governance, provisioning and welfare activities among the kingly duties?
अर्थशास्त्र में 'राज्य' की अवधारणा का विश्लेषण कीजिए। साथ ही, राजकीय कर्तव्यों के अंतर्गत शासन-व्यवस्था, आपूर्ति-व्यवस्था तथा लोक-कल्याण गतिविधियों संबंधी निर्देश कितने महत्वपूर्ण है?

2. What are the issues regarding the authorship and dating of the *Arthashastra* and how do these impact its use as a historical source?
अर्थशास्त्र के लेखकत्व और तिथि-निर्धारण से जुड़े कौन से मुद्दे हैं, और ये ऐतिहासिक स्रोत के रूप में इसके उपयोग को कैसे प्रभावित करते हैं?

3. Examine the socio-economic aspects reflected in the *Divyavadana* giving examples from the text.

P.T.O.

दिव्यावदान में प्रतिबिंबित सामाजिक-आर्थिक पहलुओं का ग्रंथ से उदाहरण देते हुए परीक्षण कीजिए।

4. Explore the significance of the *Divyavadana* as a textual genre with special reference to the modality of its composition and to the relationship between Buddhist and other religious traditions depicted in it.
पाठ्य-शैली (textual genre) के रूप में *दिव्यावदान* के महत्व का परीक्षण कीजिए, विशेष रूप से उसकी रचना-प्रक्रिया और उसमें प्रस्तुत बौद्ध परंपरा तथा अन्य धार्मिक परंपराओं के बीच संबंधों के आलोक में।

5. Discuss the intersection of landscapes with human characters in the *Meghaduta*. How does this enable its use a source for historical reconstruction?
मेघदूत में भू-दृश्यों और मानवीय पात्रों के अंतर्संबंध पर चर्चा कीजिए। यह इसे ऐतिहासिक पुनर्निर्माण के लिए एक स्रोत के रूप में कैसे उपयोगी बनाता है?

6. In what way does Kalidasa combine space and society through poetic devices?
कालिदास किस प्रकार काव्यालंकारों के माध्यम से 'स्थान' और 'समाज' को संयोजित करते हैं?

7. How does Kalhaṇa create a distinct identity for the region of Kashmir in the *Rajatarangini*?
राजतरंगिणी में कल्हण किस प्रकार कश्मीर क्षेत्र की एक विशिष्ट पहचान निर्मित करते हैं?

8. Gender and kingship are fundamentally entangled in the text of Kalhaṇa. Elaborate.
कल्हण के ग्रंथ में लिंग और राजत्व मूलतः गुँथे हुए हैं। स्पष्ट कीजिए।